ॐ

नवग्रह स्मरण (Navagraha Smaranam)

ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च ।
गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम् ॥

ब्रह्मा, विष्णु, शिव, सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु—
ये सभी देवता और नवग्रह मेरे इस प्रातःकाल को मंगलमय (शुभ) करें।

PanditVerse

ॐ

सप्त चिरंजीवी (7 Immortals)

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनूमांश्च विभीषण: ।

कृप: परशुरामश्च सप्तैते चिरजीविन: ॥

अश्वत्थामा, राजा बलि, महर्षि व्यास, हनुमान जी, विभीषण, कृपाचार्य और परशुराम—
ये सात चिरंजीवी (अमर) हैं। इनके नित्य स्मरण से लंबी आयु प्राप्त होती है।

PanditVerse

ॐ

गणेश स्मरण (Ganesha Smaranam)

प्रातः स्मरामि गणनाथमनाथबन्धुं सिन्दूरपूरपरिशोभितगण्डयुग्मम् ।

उद्दण्डविघ्नपरिखण्डनचण्डदण्ड - माखण्डलादिसुरनायकवृन्दवन्द्यम् ॥

मैं प्रातःकाल अनाथों के बंधु, विघ्नों का नाश करने वाले और देवराज इंद्र द्वारा वंदनीय श्री गणेश जी का स्मरण करता हूँ, जिनके गालों पर सिंदूर शोभायमान है।

PanditVerse